आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

बुधवार 06.11.2024 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- नीति आयोग जल संरक्षण के प्रति लोगों में संवेदनशीलता और जागरुकता बढ़ाने के लिए आज से 15 दिन का जल उत्सव शुरू कर रहा है।
- प्रदेश में 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा की जवाबदेही तय करने के साथ ही रिस्पॉन्स टाईम को कम किया गया है।
- ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन की तीसरी सबसे लंबी मुख्य सुरंग नरकोटा–सुमेरपुर सफलतापूर्वक आर–पार की गई।
- ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में श्रद्धालु अब शीतकाल में बाबा केदार की पंचमुखी मूर्ति के दर्शन कर सकेंगे।

जल उत्सव

जल प्रबंधन, संरक्षण और निरंतरता के बारे में जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करने के लिए नीति आयोग आज से 15 दिन का जल उत्सव शुरू कर रहा है। जल उत्सव 6 से 24 नवम्बर के दौरान 20 आकांक्षी जिलों और खंडों में मनाया जाएगा। इसके माध्यम से पानी के उपयोग और जल प्रबंधन को सक्षम बनाने के लिए लोगों को जिम्मेदारी का बोध कराया जाएगा। 15 दिन का जल अभियान जल बंधन के साथ शुरू होगा। जल बंधन अनुष्ठान में जानी–मानी हस्तियां और स्थानीय नेता जल स्रोतों पर पवित्र धागा बांधेंगे। वे अपने खंडों और जिलों में जल संपदा का तथ्य पत्र भी जारी करेंगे। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस विचार से प्रेरित है कि नदी उत्सव की तर्ज पर जल उत्सव भी मनाया जाना चाहिए।

108 एम्बुलेंस सेवा

प्रदेश सरकार, राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी के मद्देनजर सरकार ने जनहित में 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा की जवाबदेही तय करने के साथ ही रिस्पॉन्स टाईम को भी कम कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि किसी भी दुर्घटना के बाद मौके पर तय समय सीमा पर न पहुंचने वाले 108 एम्बुलेंस वाहनों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर 108 एम्बुलेंस का रिस्पॉस टाइम पर्वतीय क्षेत्रों के लिये 20 मिनट, जबकि मैदानी क्षेत्रों के लिए 15 मिनट तय किया गया है। वहीं प्रदेश में 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा की सुविधा दे रही कंपनी के महाप्रबंधक अनिल शर्मा ने एंबुलेंस सेवा के रिस्पान्स टाईम में किये गये बदलाव को जनहित में बताया है। उन्होंने कहा कि कंपनी की कोशिश भी यही रहती है कि जल्द से जल्द 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंचे, लेकिन कुछ विपतरीत परिस्थितियों जैसे– जाम, टूटी सड़क और घटनास्थल की दूरी पर एम्बुलेंस पहुंचने में देरी हो जाती है।

भीतकालीन सत्र

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ 26 नवम्बर को संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में मनाई जाएगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

ऊधमसिंह नगर जिले के विकास खण्ड कार्यालय परिसर सितारगंज, सिसौना में 'नालसा' यानी जनजातीय अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन योजना के तहत आगामी दस नवम्बर को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन सुबह 9 बजे किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिविर में जनता को विभिन्न कानूनों की निःशुल्क जानकारी देने के साथ ही मुफ्त कानूनी ज्ञानमाला पुस्तकों का वितरण किया जायेगा। इसके अलावा, शिविर में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे और पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया जायेगा।

वन स्टॉप सेंटर

चमोली जिले में वन स्टॉप सेंटर घरेलू विवादों से पीड़ित महिलाओं का सहारा बन रहा है। वन स्टॉप सेंटर अब तक पंजीकृत 237 मामलों में से 231 का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि 6 मामालों पर कार्रवाई गतिमान है। चमोली में संचालित वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक रश्मि रावत ने बताया कि वर्तमान में वन स्टॉप सेंटर का स्थायी भवन रौली–ग्वाड़ में निर्माणाधीन है। जल्द ही निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सेंटर का संचालन स्थायी भवन में शुरु कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा को देखते हुए प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019 में वन स्टॉप सेंटर का संचालन शुरु किया था। इसके माध्यम से घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को आवास, भोजन और चिकित्सा सुविधा देने के साथ ही परामर्श और विधिक सहायता दी जाती है।

सुरंग आर–पार

रुद्रप्रयाग जिले में ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन की तीसरी सबसे लंबी लगभग साढ़े नौ किलोमीटर लंबी मुख्य सुरंग नरकोटा–सुमेरपुर सफलतापूर्वक आर–पार कर दी गई है। परियोजना के तहत कार्यदायी संस्था ने जून 2021 में सुरंग का कार्य शुरू किया था और 800 मजदूरों की मदद से तीन साल और चार माह में इसे आर–पार कर दिया। नरकोटा से सुमेरपुर तक 20 किलोमीटर लंबी मुख्य व एस्केप टनल बनाई गई है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि नरकोटा से सुमेरपुर तक यह मुख्य सुरंग है। इतनी ही लंबाई की एस्केप टनल भी बनाई गई है, जिसे चरणबद्ध तरीके से दो महीने पहले आर–पार किया जा चुका है।

बाबा केदार पंचमुखी मूर्ति द□ान– ऊखीमठ

बाबा केदार की पंचमुखी मूर्ति के दर्शन श्रद्धालु अब ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में कर सकेंगे। पूर्व में शीतकाल के लिए केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद पंचमुखी उत्सव मूर्ति के ऊखीमठ पहुंचने पर इसे भंडार गृह में रख दिया जाता था। इस कारण ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को पंचमुखी मूर्ति के दर्शन नहीं हो पाते थे। इस संबंध में हक–हकूकधारियों और तीर्थ पुरोहितों ने बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय से अनुरोध किया था। तीर्थ पुरोहितों का कहना था कि पंचमुखी मूर्ति को भंडार गृह में रखने के बजाय शीतकाल में दर्शन के लिए ओंकारेश्वर मंदिर के गर्भ गृह में रखा जाए। व्यापक विचार–विमर्श के बाद मंदिर समिति ने भगवान केदारनाथ की पंचमुखी मूर्ति को ओंकारेश्वर मंदिर गर्भगृह में विराजमान करने का निर्णय लिया है।

गंगा जल कलश

गंगोत्री धाम से 11 सौ लीटर गंगा जलयुक्त कलश, नेपाल स्थित भगवान पशुपतिनाथ के लिए अपनी भव्य यात्रा के लिए निकल चुका है। इसी कड़ी में अपने पड़ाव उत्तरकाशी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचने पर कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस कलश यात्रा की शुरुआत साल 2002 में हुई थी। मान्यता के अनुसार गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के दिन यह कलश गंगाजल से भरा जाता है और मां गंगा की उत्सव डोली के आगे भव्य कलश यात्रा निकाली जाती है। वहीं गंगोत्री धाम के बाद कलश यात्रा के उत्तरकाशी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचने पर फूल–मालाओं के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने यात्रा का स्वागत किया। वहीं रावल शिव प्रकाश सेमवाल ने बताया कि गंगाजल का कलश शुक्ल दशमी 11 नवंबर के दिन नेपाल में भगवान पशुपति नाथ जी को अर्पित किया जाएगा।

बैठक

हरिद्वार–रुड़की विकास प्राधिकरण शहरी क्षेत्रों में की जा रही विद्युत व्यवस्था और विकसित किए गए पार्कों की व्यवस्था का हस्तगन संबंधित स्थानीय निकायों को करेगा। गढ़वाल मण्डल आयुक्त विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में हरिद्वार–रुड़की विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान भू–उपयोग के समस्त प्रकरणों पर निर्णय हुआ कि विधिक परीक्षण के साथ मुख्य नगर और ग्राम नियोजक से तकनीकी परीक्षण कराकर गुण–दोष के आधार पर भू–उपयोग परिवर्तन की स्वीकृति प्रदान की जाए। प्राधिकरण द्वारा विकसित सम्पत्तियो को बेचने के लिए लिए परिस्थितियो के अनुसार नियमों में संशोधन की अनुमति भी प्रदान की गई।

केदारनाथ स्वच्छता

केदारनाथ तीर्थयात्रा सम्पन्न होने के बाद अब रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन धाम और यात्रा मार्ग की स्वच्छता व्यवस्था में जुट गया है। केदारपुरी सहित पैदल यात्रा मार्ग पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि पर्यावरण को होने वाले अनावश्यक नुकसान को कम किया जा सके, साथ ही बर्फबारी से पहले सभी तरह का कूड़ा निस्तारित हो सके। विशेष स्वच्छता अभियान के तहत केदारपुरी और यात्रा मार्ग से प्लास्टिक कचरे को एकत्र किया जा रहा है, जिसे सोनप्रयाग स्थित कॉम्पेक्टर में पहुंचाया जाएगा। वहीं होटल और रेस्तरां संचालकों के जैविक कूड़े का भी उचित निस्तारण किया जा रहा है।